Seat No. : _____

ND-106(H)

November-2025

B.A., Sem.-V

CC-305 : Sociology

(EA : Rural Sociology)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

1. ग्रामीण समाजशास्त्र का अध्ययन क्षेत्र स्पष्ट कीजिए । **14**

अथवा

1. ग्रामीण समाजशास्त्र के अध्ययन की उपयोगिता समझाइए । **14**

2. ग्रामीण समुदाय का अर्थ एवं लाक्षणिकताएँ लिखिए । **14**

अथवा

2. क्षेत्रकार्य का अर्थ एवं लक्षण समझाइए । **14**

3. ग्रामीण अर्थव्यवस्था का स्वरूप समझाइए । **14**

अथवा

3. भूमि समस्याओं का अर्थ एवं उसके कारण समझाइए । **14**

4. ग्रामीण विकास में सहकारी क्रियाओं (प्रवृत्तियों) की भूमिका की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

4. ग्रामीण समाज में परिवर्तन हेतु उत्तरदायी कारकों का उल्लेख कीजिए । **14**

5. निम्न कथन सही हैं या गलत, यह बताइए : (कोई **सात**) **14**

(1) बलवंत राय समिति का प्रतिवेदन समुदाय विकास कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु एक मुख्य योगदान है ?

(2) ग्रामीण अध्ययनों द्वारा अवधारणाओं तथा सिद्धांतों का विकास नहीं किया जा सकता ।

(3) महात्मा गांधीजी ने "ग्रामोद्धार" पर जोर दिया ।

(4) संपूर्ण भारत में एकसमान स्वरूप के गाँव देखने को मिलते हैं ।

(5) सर्वेक्षण एक समष्टि अध्ययन है ।

(6) क्षेत्र-कार्यों के माध्यम से किया गया अनुसंधान सामाजिक सर्वेक्षण कहलाता है ।

(7) ग्रामीण विस्तारों में परंपरागत पेशे व्यवसायोन्मुखी बनते जा रहे हैं ।

(8) धनवान (समृद्ध) और मध्यमवर्गीय किसान स्वयं ही खेती कार्य करते हैं ।

(9) भू-सुधार अधिनियम 1883 में अमल में आया ।

(10) समुदाय विकास कार्यक्रम 1952 में अमल में आया ।

(11) सहकारी मंडल लोकतंत्र की नींव पर कार्य करता है ।

(12) गुजरात में रूर्बन कार्यक्रम चल रहा है ।

Seat No. : _____

ND-106(H)

November-2025

B.A., Sem.-V

CC-305 : Sociology

(EB : Sociology of Religion)

(Repeater)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

निर्देश : (1) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(2) **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. धर्म के समाजशास्त्र का अर्थ दीजिए तथा इसका कार्यक्षेत्र बताइए । **14**

अथवा

1. भारत में धर्म के समाजशास्त्र के उद्‌भव एवं विकास को समझाइए । **14**

2. धर्म का अर्थ दीजिए तथा इसके लक्षणों की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

2. धर्म के कार्य तथा विकार्य समझाइए । **14**

3. इमाईल दुर्खीम का धर्म का प्रकार्यात्मक अर्थघटन समझाइए । **14**

अथवा

3. मेक्स वेबर का धर्म का घटना-विज्ञान संबंधी अर्थघटन समझाइए । **14**

4. हिन्दू धर्म की मान्यताएँ एवं व्यवहारों (आचरणों) को समझाइए । **14**

अथवा

4. इस्लाम धर्म का अर्थ तथा आधार-स्तंभ समझाइए । **14**

5. निम्न कथन सही हैं या गलत, यह बताइए : (कोई **सात**) **14**

(1) धर्म मानव समाज की एक महत्त्वपूर्ण संस्था है ।

(2) धर्म समाजशास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है ।

(3) दैवीय वस्तुएँ हमेशा पवित्र मानी जाती हैं ।

(4) धर्म के अनुयायी अपने स्वयं के धर्म की मान्यताओं के प्रति समर्पित होते हैं ।

(5) सामाजिक नियंत्रण का कार्य सामाजिक एकता को तोड़ने का है ।

(6) रोजे ईसाई धर्म के आधार-स्तंभ हैं ।

(7) हिन्दू धर्म में वर्ण-व्यवस्था है ।

(8) समूह जीवन धर्म के उद्‌भव का मूलभूत कारक है ।

(9) भारत में हिन्दू धर्म की जनसंख्या सर्वाधिक है ।

(10) ईसाई धर्मानुसार, मानव शरीर ईश्वर का मंदिर है ।

(11) बाइबल के अनुसार; दुनिया एक दैवीय सर्जन है ।

(12) हिन्दू धर्म की जड़ें वेदों में हैं ।